

----- Click on the -----
Download Link
To view the complete book

भास्वती

द्वितीयो भागः

द्वादशवर्गाय संस्कृतस्य पाठ्यपुस्तकम्
(केन्द्रिकपाठ्यक्रमः)



12077



राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

12077 – भास्वती (द्वितीयो भागः)

कक्षा 12 के लिए पाठ्यपुस्तक

ISBN 81-7450-637-3

प्रथम संस्करण

जनवरी 2006 माघ 1927

पुनर्मुद्रण

अक्टूबर 2007 आश्विन 1929

फरवरी 2009 फाल्गुन 1930

दिसंबर 2009 पौष 1931

अप्रैल 2019 चैत्र 1941

अप्रैल 2021 चैत्र 1943 (NTR)

PD NTR RPS

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और
प्रशिक्षण परिषद्, 2006

₹ 55.00

एन.सी.ई.आर.टी. वाटरमार्क 80 जी.एस.एम. पेपर
पर मुद्रित।

प्रकाशन प्रभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान
और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली
110016 द्वारा प्रकाशित तथा द्वारा मुद्रित।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

एन. सी. ई. आर. टी. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नयी दिल्ली 110 016 फ़ोन : 011-26562708
108, 100 फ़ीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्टेकेरे
बनारसकरी III इस्टेज
बैंगलुरु 560 085 फ़ोन : 080-26725740
नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फ़ोन : 079-27541446
सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट: धनकल बस स्टॉप पानिहटी
कोलकाता 700 114 फ़ोन : 033-25530454
सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लेक्स
मालोंगाव
गुवाहाटी 781021 फ़ोन : 0361-2674869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग : अनूप कुमार राजपूत
मुख्य संपादक : श्वेता उप्पल
मुख्य उत्पादन अधिकारी : अरुण चितकारा
मुख्य व्यापार प्रबंधक : विपिन दिवान
(प्रभारी)
सहायक संपादक : एम. लाल
उत्पादन सहायक :

आवरण

आलोक हरि

चित्रांकन

प्रदीप नायक

पुरोवाक्

2005 ईस्वीयायां राष्ट्रिय-पाठ्यचर्या-रूपरेखायाम् अनुशासितं यत् छात्राणां विद्यालयजीवनं विद्यालयेतरजीवनेन सह योजनीयम्। सिद्धान्तोऽयं पुस्तकीय-ज्ञानस्य तस्याः परम्परायाः पृथक् वर्तते, यस्याः प्रभावात् अस्माकं शिक्षाव्यवस्था इदानीं यावत् विद्यालयस्य परिवारस्य समुदायस्य च मध्ये अन्तरालं पोषयति। राष्ट्रियपाठ्यचर्यावलम्बितानि पाठ्यक्रम-पाठ्यपुस्तकानि अस्य मूलभावस्य व्यवहारदिशि प्रयत्न एव। प्रयासेऽस्मिन् विषयाणां मध्ये स्थितायाः भित्तेः निवारणं ज्ञानार्थं रटनप्रवृत्तेश्च शिथिलीकरणमपि सम्मिलितं वर्तते। आशास्महे यत् प्रयासोऽयं 1986 ईस्वीयायां राष्ट्रिय-शिक्षा-नीतौ अनुशासितायाः बालकेन्द्रित-शिक्षाव्यवस्थायाः विकासाय भविष्यति।

प्रयत्नस्यास्य साफल्यं विद्यालयानां प्राचार्याणाम् अध्यापकानाञ्च तेषु प्रयासेषु निर्भरं यत्र ते सर्वानपि छात्रान् स्वानुभूत्या ज्ञानमर्जयितुं, कल्पनाशीलक्रियाः विधातुं, प्रश्नान् प्रष्टुं च प्रोत्साहयन्ति। अस्माभिः अवश्यमेव स्वीकरणीयं यत् स्थानं, समयः, स्वातन्त्र्यं च यदि दीयेत, तर्हि शिशवः वयस्कैः प्रदत्तेन ज्ञानेन संयुज्य नूतनं ज्ञानं सृजन्ति। परीक्षायाः आधारः निर्धारित-पाठ्यपुस्तकमेव इति विश्वासः ज्ञानार्जनस्य विविधसाधनानां स्रोतसां च अनादरस्य कारणेषु मुख्यतमम्। शिशुषु सर्जनशक्तेः कार्यारम्भप्रवृत्तेश्च आधानं तदैव सम्भवेत् यदा वयं तान् शिशून् शिक्षणप्रक्रियायाः प्रतिभागित्वेन स्वीकुर्याम, न तु निर्धारितज्ञानस्य ग्राहकत्वेन एव।

इमानि उद्देश्यानि विद्यालयस्य दैनिककार्यक्रमे कार्यपद्धतौ च परिवर्तनमपेक्षन्ते। यथा दैनिक-समय-सारण्यां परिवर्तनशीलत्वम् अपेक्षितं तथैव वार्षिककार्यक्रमाणां निर्वहणे तत्परता आवश्यकी येन शिक्षणार्थं नियतेषु कालेषु वस्तुतः शिक्षणं भवेत्। शिक्षणस्य मूल्याङ्कनस्य च विधयः ज्ञापयिष्यन्ति यत् पाठ्यपुस्तकमिदं छात्राणां विद्यालयीय-जीवने आनन्दानुभूत्यर्थं कियत् प्रभावि वर्तते, न तु नीरसतायाः साधनम्। पाठ्यचर्याभारस्य निदानाय पाठ्यक्रमनिर्मातृभिः बालमनोविज्ञानदृष्ट्या अध्यापनाय उपलब्ध-कालदृष्ट्या च विभिन्नेषु स्तरेषु विषयज्ञानस्य पुनर्निर्धारणेन प्रयत्नो विहितः। पुस्तकमिदं छात्राणां कृते चिन्तनस्य, विस्मयस्य, लघुसमूहेषु वार्तायाः, कार्यानुभवादि-गतिविधीनां च कृते प्राचुर्येण अवसरं ददाति। पाठ्यपुस्तकस्यास्य विकासाय विशिष्टयोगदानाय राष्ट्रियशैक्षिकानुसन्धानप्रशिक्षणपरिषद् भाषापरामर्शदातृसमितेः

अध्यक्षाणां प्रो. नामवरसिंहमहोदयानां, संस्कृतपाठ्यपुस्तकानां मुख्यपरामर्शकानां प्रो. राधावल्लभ-
त्रिपाठिमहाभागानां, पाठ्यपुस्तकनिर्माणसमितेः सदस्यानाञ्च कृते हार्दिकीं कृतज्ञतां ज्ञापयति। पुस्तकस्यास्य
विकासे नैके विशेषज्ञाः अनुभविनः शिक्षकाश्च योगदानं कृतवन्तः, तेषां संस्थाप्रमुखान् संस्थाश्च प्रति
धन्यवादो व्याह्रियते।

पाठ्यपुस्तकविकासक्रमे उन्नतस्तराय निरन्तरं प्रयत्नशीला परिषदियं पुस्तकमिदं छात्राणां कृते
उपयुक्ततरं कर्तुं विशेषज्ञैः अनुभविभिः अध्यापकैश्च प्रेषितानां सत्परामर्शानां सदैव स्वागतं विधास्यति।

जनवरी 2006

नवदेहली

निदेशकः

राष्ट्रीयशैक्षिकानुसंधानप्रशिक्षणपरिषद्

पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति

अध्यक्ष, भाषा सलाहकार समिति

नामवर सिंह, पूर्व अध्यक्ष, भारतीय भाषा केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली

मुख्य परामर्शक

राधावल्लभ त्रिपाठी, पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

मुख्य समन्वयक

रामजन्म शर्मा, पूर्व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, भाषा शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

समन्वयक

कमलाकान्त मिश्र, पूर्व प्रोफेसर संस्कृत, भाषा शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

सदस्य

ओमप्रकाश शर्मा, प्रवक्ता संस्कृत, रा. व. मा. विद्यालय कुरुक्षेत्र, हरियाणा

छविकृष्ण आर्य, उपप्रधानाचार्य, केन्द्रीय विद्यालय, सेकेण्ड शिफ्ट, एण्ड्रयूज गंज, नयी दिल्ली
जगदीश सेमवाल, पूर्व निदेशक, वी. वी. बी. आई. एस., एण्ड आई. एस. पंजाब विश्वविद्यालय,
होशियारपुर, पंजाब

पतञ्जलि कुमार भाटिया, रीडर संस्कृत विभाग पी. जी. डी. ए. वी. कॉलेज दिल्ली, विश्वविद्यालय

पी.एन.झा, पी.जी.टी. संस्कृत, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक बाल विद्यालय, आदर्श नगर, दिल्ली

योगेश्वर दत्त शर्मा, सेवानिवृत्त, रीडर संस्कृत, हिन्दू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

सरोज गुलाटी, पी.जी.टी. संस्कृत, कुलाची हंसराज मॉडल स्कूल, अशोक विहार, फेज-III, दिल्ली

सरोज चमोली, प्रधानाचार्या, राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बी-1 यमुना विहार, दिल्ली

श्रेयांश द्विवेदी, प्रवक्ता संस्कृत विभाग, राज्य शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्, हरियाणा, गुरुग्राम

विभागीय सदस्य

कृष्णचन्द्र त्रिपाठी, प्रोफेसर संस्कृत, भाषा शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

रणजित बेहेरा, असिस्टेंट प्रोफेसर संस्कृत, भाषा शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली